बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-240
08/06/2022

मुख्यमंत्री ने इन्वेस्टर्स मीट–सह–बिहार टेक्सटाईल एवं लेदर पॉलिसी, 2022 का किया लोकार्पण

पटना, 08 जून 2022 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज अधिवेशन भवन में इन्वेस्टर्स मीट–सह–बिहार टेक्सटाईल एवं लेदर पॉलिसी 2022 का लोकार्पण किया।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करने के पश्चात् मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को अभिनंदन करता हूँ। शुरू से ही बिहार में उद्योग को बढ़ावा देने की हमारी कोशिश रही है। वर्ष 2006 में इसको लेकर पॉलिसी बनायी गयी थी। उद्योग को बढ़ावा देने के लिये हम शुरू से मदद देने का प्रावधान करते रहे हैं लेकिन उद्योग का जितना विकास होना चाहिए था उतना नहीं हो पाया है। आज बिहार टेक्सटाईल एवं लेदर पॉलिसी, 2022 का लोकार्पण किया गया है। इस पॉलिसी के बारे में सभी चीजों की चर्चा की गयी है। खुशी की बात है कि अब यहॉ उद्योग में प्रगति हो रही है। कोरोना के दौर में बाहर से जो लोग बिहार आये उनसे हमने कहा कि यहीं पर रहकर काम करें और यहां उद्योग संबंधित कार्यों की शुरुआत हुई। समाज के सभी तबकों के लिये हमलोग काम कर रहे हैं। वर्ष 2018 में हमलोगों ने अनुसूचित जाति/जनजाति के लोगों को उद्योग लगाने में मदद देने के लिये 5 लाख रूपये तक की सहायता और 5 लाख रूपये का ऋण देने का प्रावधान किया। वर्ष 2020 के जनवरी में हमलोगों ने अनुसूचित जाति/जनजाति की तरह ही अतिपिछड़े वर्ग को भी यह लाभ देना शुरू किया। किसी भी समाज की महिलाओं को भी अब यही सुविधा मिल रही है। सात निश्चय–2 कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। महिलाओं एवं युवाओं को भी 5 लाख रूपये तक की मदद एवं 5 लाख रूपये 1 प्रतिशत की ब्याज पर ऋण के रूप में उपलब्ध करायी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन लगातार सक्रिय हैं। नई पॉलिसी से बिहार में उद्योग लगानेवाले निवेशकों को काफी लाभ होगा। नई पॉलिसी के तहत प्लांट एवं मशीनरी के लिये पूंजी निवेश पर लागत का 15 प्रतिशत अनुदान, अधिकतम 10 करोड़ रूपये तक की मदद दी जायेगी। विद्युत शुल्क का अनुदान दो रूपये प्रति यूनिट करने का निर्णय किया गया है। उद्योग में कार्यरत कर्मी को 5 हजार रूपये प्रति माह की दर से 5 वर्षों के लिये अनुदान दिया जायेगा। निर्यात के लिये निर्यात संबंधित इकाइयों को ट्रांसपोर्टेशन सब्सिडी 30 प्रतिशत दी जायेगी। माल ढुलाई पर 10 लाख रूपये प्रतिवर्ष 5 वर्ष तक के लिये अनुदान दिया जायेगा। अपने प्रोडक्ट का पेटेंट कराने पर रजिस्ट्रेशन खर्च का 50 प्रतिशत, अधिकतम 10 लाख रूपये अनुदान दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग बाहर जाकर काम करते रहे हैं, यहां उद्योग लगेगा तो यह बहुत अच्छा होगा और लोगों को बिहार में ही काम मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं एवं युवाओं को उद्योग लगाने के लिए अब तक सरकारी योजना के तहत 596 करोड़ रूपये का लाभ दिया जा चुका है। अल्पसंख्यक रोजगार योजनान्तर्गत अब 5 लाख की जगह 10 लाख रूपये तक का लाभ दिया जायेगा। इसके अन्तर्गत अल्पसंख्यक लोगों को उद्योग लगाने में मदद देने के लिये 5 लाख रूपये तक की

सहायता और 5 लाख रूपये का ऋण दिया जायेगा। इसको लेकर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में इथेनॉल के उत्पादन के लिये बहुत पहले 21 हजार करोड़ रूपये के निवेश का प्रस्ताव आया था। उस समय की केन्द्र सरकार ने इसकी अनुमति नहीं दी थी। अभी केन्द्र सरकार ने इथेनॉल के उत्पादन की अनुमति दी है। बिहार के पहले इथेनॉल प्लांट का उद्घाटन हो गया है। बिहार में इथेनॉल के 17 प्लांट की मंजूरी मिल गयी है। आनेवाले समय में बिहार में काफी उद्योग लगेगा। उद्योग मंत्री श्री शाहनवाज हुसैन काफी मेहनत कर रहे हैं, लोगों से मिलकर बिहार में उद्योग लगाने को लेकर प्रोत्साहित कर रहे हैं। अब इन्वेस्टर्स बिहार आने लगे हैं। हमलोग इन्वेस्टर्स का पूरे तौर पर साथ देंगे और उनकी मदद करेंगे। सभी निवेशकों को एश्योर करते हैं कि उद्योग लगाने में हर संभव मदद दी जायेगी और आपलोग जो सुझाव देंगे उस पर विचार करेंगे। जमीन उपलब्ध कराने से लेकर धन की भी मदद करेंगे ताकि बिहार में तेजी से उद्योग लग सके और लोगों को यहीं पर काम मिले। पहले हमें बिहार में उद्योग लगाने में सफलता नहीं मिलती थी। उद्योग लगने से लोगों को रोजगार मिलेगा। बिहार का गौरवशाली अतीत रहा है। इसे फिर से प्राप्त करने के लिए सभी मिलकर काम करें। बिहार को और आगे बढ़ाने में आप सभी मदद कीजिये। उन्होंने कहा कि बिहार में काफी संख्या में सड़क, पुल एवं पुलियों का निर्माण किया गया है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी काफी काम किया गया है। सड़क, पुल–पुलियों एवं सरकारी भवनों का सिर्फ बेहतर निर्माण नहीं किया गया है बल्कि उसके मेंटेनेंस के लिए भी पॉलिसी भी बना दी गयी है। आनेवाले समय में इथेनॉल के उत्पादन में बिहार नंबर वन पर रहेगा। हम सभी लोग मिलकर काम करेंगे तो बिहार बुलंदी से आगे बढ़ेगा और देश के विकास में अपना योगदान देगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने जूट से बना पुष्प–गुच्छ एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 'उद्योग संवाद' पत्रिका का विमोचन किया।

कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री श्री तारकिशोर प्रसाद, उप मुख्यमंत्री श्रीमती रेणु देवी, उद्योग मंत्री श्री सैयद शाहनवाज हुसैन, मुख्य सचिव श्री आमिर सुबहानी, उद्योग विभाग के प्रधान सचिव श्री संदीप पॉण्ड्रिक, रुपा एंड कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष श्री विकास अग्रवाल, टी0टी0 लिमिटेड कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री संजय कुमार जैन, काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट के चेयरमैन श्री संजय लिखा ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के विशेष सचिव श्री बी0के0 सिंह, पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव श्री मिहिर कुमार सिंह, उद्योग विभाग के निदेशक श्री पंकज दीक्षित, उद्योग विभाग के तकनीकी निदेशक श्री संजीव कुमार, इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के डी0जी0 श्री राजीव सिंह, इस कार्यक्रम में ऑनलाइन से उपस्थित जुड़े निवेशक, ऑनलाइन के माध्यम से जुड़े हुए मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के लाभुकगण, उद्यमीगण, वरीय पदाधिकारीगण एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यक्रम के पश्चात् जबरन धर्म परिवर्तन कराने के सवाल पर पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में गवर्नमेंट पूरी तरह अलर्ट है। यहां इस तरह का कोई डिस्प्यूट नहीं है। बिहार में बहुत शांति है। चाहे कोई किसी भी धर्म के माननेवाला हों, यहां किसी को कोई समस्या नहीं है। बिहार में हमलोगों ने सब काम बहुत अच्छे ढंग से किया है। यहां इस तरह का आपस में कोई विवाद नहीं है। सबलोग यहां अपने ढंग से काम कर रहे

हैं। सरकार की ओर से इस पर ध्यान दिया जाता है। बिहार में दंगा जैसी कोई घटना नहीं होती है। सभी चीजों को लेकर पूरी तरह सतर्कता है।

****